अपराध शास्त्र एवं दण्ड शास्त्र

तृतीय संस्करण

बसन्तीलाल बाबेल

Eastern Book Company

अपराधशास्त्र अपराध से अपराधी तक पहुंचने का मार्ग बताता है। पुस्तक के इस नवीनतम संस्करण में लेखक ने पूर्णतया संशोधित रूप में खुले शब्दों में समाज के भीतर व्याप्त घिनौने अपराधों, उनके लिए निर्धारित दण्डों तथा हमारी कानूनी व्यवस्था को भी चित्रित किया है। हत्या और बलात्कार जैसे न जाने कितने ही ऐसे मामलों को दिया गया है जिनसे यह साबित होता है कि कभी–कभी कानूनी खामियों के रहते अपराधी किस तरह बच निकलते हैं।

पुस्तक के इस नवीनतम संस्करण के अंतर्गत लेखक ने कई अतिरिक्त अध्यायों को देते हुए उन्हें दो भागों में विभाजित कर दिया है। प्रथम भाग का शीर्षक अपराधशास्त्र है और द्वितीय भाग का दण्डशास्त्र। उसने आज के समय की ज्वलन्त समस्याओं से सम्बन्धित विषयों पर प्रकाश डाला है। उदाहरण के लिए महिलाओं की 'घरेलू हिंसा से सुरक्षा', 'मानवाधिकार, पुलिस और जेल प्रशासन', दहेज–मृत्यु, बाल–विवाह निषेध कानून, 2006 तथा अपराधियों के बच निकलने के कारण, दण्ड के विभिन्न प्रकार, इत्यादि पर प्रकाश डाला है।

प्रस्तुत पुस्तक विधि–छात्रों, विधिवेत्ताओं, न्यायिक अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी, प्रयोगशाला विशेषज्ञ, अपराधी एवं अपराध से व्यथित तथा कुंठित सभी व्यक्तियों के लिए समान रूप से उपयोगी है। विषय का प्रस्तुतीकरण इतनी सरल भाषा–शैली में किया गया है कि इसमें निरन्तर रोचकता और आकर्षण बना रहता है।

Eastern Book Company
Order online at, http://www.ebcwebstore.com

ISBN: 81-7012-184-1
EAN
9 788170 121848